सांध्य दैनिक
4PM

सच्चाई का सामना ऐसे कीजिये जैसी वह है, न कि जैसी थी या आप उसे जैसा देखना चाहते हैं।
-जैक वेल्च

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 188 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 17 अगस्त, 2022

राज्य सभा के उपसभापति पद से... 7 | 24 में होने वाली चुनौती पार... 3 | नक्शा पास कराने को देना होगा... 2

गजब ! भाजपा नेता ने ली स्कूल के नाम करोड़ों की जमीन और बना दिया कमर्शियल कॉम्प्लेक्स

- स्कूल के नाम पर मेरठ विकास प्राधिकरण से कौड़ियों के भाव ली थी करोड़ों की जमीन
- भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री विक्रांत चौधरी का सामने आया काला कारनामा
- बेशकीमती जमीन के बदले एमडीए अफसरों ने भरी अपनी जेबें
- सत्ता की हनक के आगे नतमस्तक हैं अफसर

चेतन गुप्ता

लखनऊ। श्रीकांत त्यागी के बाद एक और भाजपा नेता का काला कारनामा सामने आया है। एक ओर पीएम मोदी और सीएम योगी शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे हैं वहीं मेरठ भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री चौधरी विक्रांत अहलावत उर्फ आदित्य ने स्कूल निर्माण के नाम पर मेरठ विकास प्राधिकरण से करोड़ों की जमीन कौड़ियों के भाव खरीद कर उस पर दो मंजिला अवैध मार्केट बना दिया है। वहीं सत्ता की हनक के आगे अब एमडीए के अफसर भी नतमस्तक हैं और कार्रवाई के नाम पर महज कागजी खानापूर्ति कर रहे हैं।

भाजपा नेता चौधरी विक्रांत अहलावत ने पूरी योजना बनाकर सरकार की आंख में धूल झोंकने का काम किया। उसने पहले मेरठ विकास प्राधिकरण से स्कूल के नाम पर करोड़ों की बेशकीमती जमीन कौड़ियों के भाव खरीदी और फिर उस पर अवैध ढंग से कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बना दिया। हैरानी की बात यह है कि मेरठ विकास प्राधिकरण के अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अपनी आंखें मूंदे हैं। विक्रांत को न तो योगी बाबा के बुलडोजर का भय है और न किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई का। लिहाजा भाजपा नेता इस जमीन पर अवैध निर्माण करा चुका है और लाखों रुपए में निर्मित दुकानों को बेचकर करोड़ों रुपए के वारे-न्यारे कर रहा है। स्थानीय स्तर पर इसकी शिकायतें भी की गईं लेकिन सत्ता की हनक के आगे विरोध की आवाजें दबकर रह गयीं। स्थानीय भाजपा नेता के इस काले कारनामे से सरकार की फजीहत हो रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिरकार जो जमीन स्कूल बनाने के लिए दी गई थी उस पर व्यवसायिक निर्माण कैसे हो गया? इसका नक्शा तक पास नहीं कराया गया फिर भी एमडीए अफसरों ने कोई कार्रवाई अब तक क्यों नहीं की? अब मामला शासन तक पहुंचा है। देखना यह है कि सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी ही पार्टी के इस नेता के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं?

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

तीस से चालीस लाख में बेची एक-एक दुकान

भाजपा नेता ने अपने अवैध बहुमंजिला मॉर्केट की एक-एक दुकान 30 से 40 लाख रुपए में बेची। दो मंजिला कॉम्प्लेक्स में ऐसी करीब 50 से ज्यादा दुकाने है और यह 2019 में बनकर तैयार हो गया था। यही नहीं विक्रांत ने यहां से कमाए पैसे से ठीक बगल में दूसरी मार्केट भी बना दी है।

सत्ता का रसूख दिखाकर रौब गांठने वाला लाल घेरे में भाजपा नेता चौधरी विक्रांत अहलावत उर्फ आदित्य चौधरी

क्या कहना है एमडीए सचिव का

इस मामले में जब मेरठ विकास प्राधिकरण के सचिव सीपी तिवारी से बात की गयी तो उन्होंने टालमटोल वाले अंदाज में उत्तर दिया। उन्होंने शासन में प्रकरण लंबित होने और उपाध्यक्ष द्वारा पक्ष रखे जाने की बात कह कर किसी प्रकार की टिप्पणी करने से इंकार कर दिया।

क्या है मामला

मेरठ विकास प्राधिकरण में पल्लवपुरम आवासीय योजना के तहत 978 वर्ग मीटर का एक शैक्षिक भूखंड 2014 में नीलामी में निकाला गया था। 25 अगस्त को इसके टेंडर पड़े और 28 अगस्त को न्यूनतम रेट 11000 प्रति वर्ग मीटर की तुलना में सबसे ज्यादा 11,150 प्रति वर्ग मीटर पर यह प्लॉट लेने के लिए सजल शिक्षण संस्थान ग्राम पोहल्ली, डॉ. दवथुआ मेरठ ने बोली लगाई और उनके नाम 9 सितंबर 2014 को यह प्लॉट आवंटित कर दिया गया। पूरे प्लाट की कीमत 1 करोड़ 9लाख 4 हजार 7 सौ रुपए थी। 25 फीसदी आवंटन के वक्त जमा करने के बाद 75 फीसदी पैसा अगले 5 सालों में सामान पांच किस्तों में देना था जिसका भुगतान सजल शिक्षण संस्थान द्वारा समय पर किया गया। जिस जमीन को 11,150 प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मेरठ विकास प्राधिकरण ने सजल शिक्षा संस्थान को बेचा था, उस जमीन की वास्तविक कीमत उससे कई गुना ज्यादा थी लेकिन नियम कानूनों की आड़ में शिक्षण संस्थान के लिए रियायती दरों पर यह जमीन दी गई। पहले तो इस जमीन पर कोई निर्माण नहीं किया गया लेकिन जैसे ही सूबे में भाजपा की सरकार बनी इस जमीन पर स्कूल की जगह कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनना शुरू हो गया। इसके कर्ताधर्ता भाजपा मेरठ के किसान मोर्चा के महामंत्री विक्रांत अहलावत उर्फ आदित्य पुत्र धर्मराज सिंह हैं। विक्रांत चौधरी बड़े-बड़े भाजपा नेताओं से संबंध होने का अफसरों और स्थानीय लोगों पर रौब गांठता है। वह सजल शिक्षण संस्थान का भी सर्वेसर्वा है। उसने बिना किसी रोक-टोक के इस जमीन पर दो मंजिला व्यावसायिक परिसर का निर्माण करा दिया। यहां स्कूल तो नहीं बना अलबत्ता अवैध दो मंजिला मार्केट जरूरी बना दी गयी। यही नहीं इसके लिए न तो नक्शा पास कराया गया और न ही किसी भी प्रकार की कोई अन्य औपचारिकता पूरी की गई। फिलहाल इस व्यावसायिक क्षेत्र से घिरे इलाके में जमीनों के दाम आसमान छू रहे। एक लाख रूपए प्रति वर्ग मीटर के रेट वाली जमीन को कौड़ियों के भाव विक्रांत ने हथिया लिया और नियम कानूनों को ताक पर रखते हुए स्कूल प्रोजेक्ट को ठपकर व्यावसायिक इमारत खड़ी कर दी।

पूरे मेरठ में कायम है विक्रांत की चौधराहट

विक्रांत की चौधराहट उसके फेसबुक प्रोफाइल से साफ दिखती है। चौधरी विक्रांत उर्फ आदित्य चौधरी मौजूदा समय में भाजपा किसान मोर्चा मेरठ का जिला महामंत्री है। मेरठ का कोई भी ऐसा बड़ा नेता नहीं है जो उसके संपर्क में नहीं है। विक्रांत के रसूख का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि 15 अगस्त पर हर घर तिरंगा मुहिम के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मेरठ पहुंचे थे तो उनके स्वागत के लिए पूरे शहर में जो होर्डिंग्स लगी थी उसमें केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, प्रदेश महामंत्री व एमएलसी अश्वनी त्यागी व क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेंनिवाल के साथ उसकी फोटो लगी थी। भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह राजनाथ सिंह के पुत्र व विधायक पंकज सिंह, सांसद राजेंद्र अग्रवाल, विधायक धर्मेंद्र भारद्वाज समेत तमाम भाजपा नेताओं के साथ उसकी फोटो उसके रसूख को दर्शाती है।

शिकायतों को भी अफसरों ने किया दरकिनार

मेरठ विकास प्राधिकरण में इसकी शिकायतें भी दर्ज कराईं गई लेकिन अफसरों ने इस अवैध निर्माण को नजरअंदाज कर दिया। बाद में जब स्थानीय लोगों ने स्कूल न खुलने पर आपत्ति जताई तो दिखावे के लिए एमडीए अफसरों ने विक्रांत की उसी मार्केट से सटी दूसरी मार्केट को कागजों में सील कर दिया।

आरटीआई के जरिए एमडीए से मांगा जवाब

सेवा में,

विषय : Application under RTI Act in Case No : 14/19 Zone B

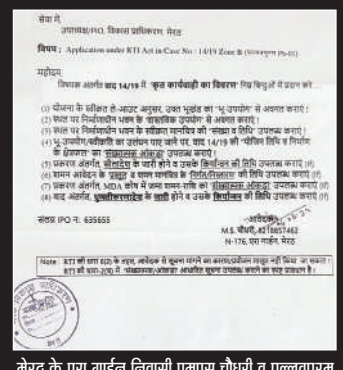

महोदय,

मेरठ के एरा गार्डन निवासी एमएस चौधरी व पल्लवपुरम निवासी अमित शर्मा ने मेरठ विकास प्राधिकरण में मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की लेकिन अफसरों ने इसको अनसुना कर दिया। इस पर एमएस चौधरी ने सूचना के अधिकार कानून के तहत कई सूचनाएं मांगी है। मसलन उक्त जमीन का भू-उपयोग, लेआउट प्लान स्वीकृत है या नहीं, मौजूदा वास्तविक उपयोग क्या हो रहा है, मानचित्र संख्या तिथि, सीलिंग की कार्रवाई की तिथि, शमन शुल्क या ध्वस्तीकरण तिथि जैसे बिंदुओं पर एमडीए से जवाब मांगा है। इससे अफसरों में हड़कंप है।

सरकार ने जनता पर डाला एक और बोझ

नक्शा पास कराने को देना होगा जल शुल्क

» क्षेत्रफल के आधार पर वसूला जाएगा जल शुल्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब आप अगर भवन निर्माण करा रहे हैं तो आपको ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने कैबिनेट में फैसला लिया है कि अब कोई भी भवन निर्माण कराता है तो नक्शा पास कराने के लिए 50 प्रति मीटर के हिसाब से जल शुल्क लिया जाएगा। पहले यह शुल्क लखनऊ और बनारस में नहीं लिया जाता था लेकिन अब वहां भी लगेगा। जानकारी के मुताबिक कैबिनेट बैठक में जल शुल्क नियमावली 2022 को मंजूरी दी गई है। अभी तक इसके लिए कोई नियम नहीं था। अगर बहु मंजिला बिल्डिंग का निर्माण कराते हैं तो सभी तलों और बेसमेंट को शामिल करते हुए कुल क्षेत्रफल के आधार पर प्रति मीटर 50 रुपये का जल शुल्क वसूला जाएगा।

यही नहीं मौजूदा समय में निर्माण क्षेत्र से अतिरिक्त निर्माण करने पर भी जल शुल्क देना होगा। हालांकि सरकार ने यह भी कहा है कि जल शुल्क की दरें जो है हर साल 1 अप्रैल से आयकर विभाग के कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के आधार पर बार-बार पुनरीक्षित किया जाएगा। यही नहीं अगर जल शुल्क की धनराशि 10 लाख तक है तो एकमुश्त भुगतान लिया जाएगा। इससे अधिक होने पर 10 लाख का भुगतान एकमुश्त और बाकी बचे पैसे चार अर्धवार्षिक किस्तों में 9 परसेंट ब्याज के साथ लिया जाएगा। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि योजना के बाहर जल शुल्क नहीं लिया जाएगा। जहां पर प्राधिकरण योजना के बाहर जलापूर्ति कर पाने में असमर्थ है, वहां शुल्क नहीं होगा। लखनऊ समेत कई विकास प्राधिकरण अभी जल शुल्क नहीं ले रहे हैं। लखनऊ में भवनों के प्लिंथ एरिया के आधार पर 124 से लेकर 926 रुपये प्रति माह तक और भूखंडों के क्षेत्रफल के आधार पर 490 से 3038 रुपये तक का शुल्क लिया जा रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें जल व अंबार शुल्क नियमावली-2022, उत्तर प्रदेश ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति-2022 और टीडीआर (विकास अधिकारों का हस्तांतरण) उपविधि संबंधी प्रस्ताव थे। मंजूर किए गए प्रस्तावों के संबंध में अधिकृत तौर पर तो कोई जानकारी नहीं दी गई लेकिन सूत्रों के अनुसार कैबिनेट द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने से अब राज्य के किसी भी विकास प्राधिकरण क्षेत्र में भवन का नक्शा पास कराने पर एक जैसा ही जल व अंबार शुल्क देना होगा।

योगी सरकार स्वरोजगार के लिए देगी 50 लाख

लखनऊ। बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत युवाओं को अब 25 लाख के बजाय 50 लाख तक के प्रोजेक्ट पर ऋण दिलाया जाएगा। प्रोजेक्ट आधारित ऋण योजना के विस्तार से युवाओं को लाभ होगा। खादी ग्रामोद्योग विभाग बैंकों के माध्यम से चार प्रतिशत ब्याज पर ऋण दिलाता है। आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, भूतपूर्व सैनिक व दिव्यांग) के युवाओं को समस्त ब्याज की धनराशि ब्याज उपादान के रूप में विभाग से मात्र टर्म लोन (पूंजीगत ऋण) पर अनुमन्य है। कुल परियोजना लागत में सामान्य पुरुष वर्ग को अपना स्वयं का अंशदान 10 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग के लिए पांच प्रतिशत होगा। 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार विभाग की वेबसाइट ह्वश्चद्व1द्बठ्ठ-द्दश1 पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। शहरी इलाका नगर निगम के अंतर्गत होगा जहां पार्षद चुने जाते हैं। नगर निगम अनापत्ति प्रमाण पत्र देगा। ग्रामीण इलाके लिए गांव का ग्राम प्रधान स्वरोजगार के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देगा। ऋण दाता बैंक शहरी और ग्रामीण दोनों होंगे।

नौ अरब रुपए से बदलेगी रामनगरी की सूरत

» 107 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में निर्माणाधीन भव्य श्रीराम मंदिर के साथ ही जन्मभूमि के आस-पास के क्षेत्र को भी विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। योगी सरकार लगभग नौ अरब रुपये की लागत से जन्मभूमि तक सुगम पहुंच के लिए सड़कें चौड़ी, सुंदर और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसके लिए पहली किश्त के रूप में 107 करोड़ रुपए शासन की ओर से जारी कर दिए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग को तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव धर्मार्थ कार्य अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि सहादतगंज से नया घाट मार्ग के मेन स्पाइन रोड, जिसकी लंबाई तकरीबन 12.940 किलोमीटर है, के निर्माण की कुल लागत 7.97 अरब रुपये है। इसकी पहली किश्त के रूप में एक अरब रुपये की वित्तीय स्वीकृति दे दी गई है। वहीं सहादतगंज-नया घाट मार्ग के सुग्रीव किला होते हुए श्रीराम जन्मभूमि तक कुल लंबाई 0.566 किमी के लिए चार लेन मार्ग के निर्माण की योजना है। इसके लिए 39.43 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गई है, जिसमें से 3.98 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

फोटो :4 पीएम

सम्मान भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, स्वतंत्र देव सिंह व अन्य मंत्री भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में भारत रत्न के 10 सहयोगियों को सम्मानित भी किया।

अजय कुमार लल्लू कोर्ट में नहीं हुए हाजिर

» कांग्रेस के पूर्व विधायक और एमएलसी कोर्ट में पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा के थाना फतेहपुर सीकरी में दो साल पहले दर्ज हुए महामारी अधिनियम और धारा 144 के उल्लंघन के मामले में मंगलवार को कांग्रेस नेता पूर्व विधायक प्रदीप माथुर और पूर्व एमएलसी विवेक बंसल मंगलवार को कोर्ट में पेश हुए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू हाजिर नहीं हुए। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने अगली सुनवाई के लिए 29 अगस्त नियत की है। कांग्रेस नेताओं के खिलाफ वर्ष 2020 में थाना फतेहपुर सीकरी में मुकदमा दर्ज हुआ था।

राजस्थान से आने वाले प्रवासी मजदूरों को लेने के लिए कांग्रेस नेता बस लेकर पहुंचे थे। मामले में पुलिस ने कार्रवाई की थी। मुकदमे में महामारी अधिनियम और धारा 144 के उल्लंघन की धारा लगी थी। पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता पूर्व विधायक प्रदीप माथुर और पूर्व एमएलसी विवेक बंसल को गिरफ्तार किया था।

मंगलवार को तीनों की स्पेशल जज (एमपी-एमएलए) अर्जुन की कोर्ट में पेशी होनी थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लखनऊ में मीटिंग के कारण कोर्ट में पेश नहीं हो सके। अधिवक्ता रामदत्त दिवाकर और रमाशंकर शर्मा ने अजय कुमार लल्लू का हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया। इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट में प्रदीप माथुर और विवेक बंसल हाजिर हुए। अधिवक्ताओं ने उनको मुकदमे से उन्मोचित करने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। कोर्ट ने अब 29 अगस्त की तिथि सुनवाई के लिए नियत की है।

मंच पर नहीं मिला विधायकजी को सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महराजगंज। फरेंदा कस्बे के विष्णु मंदिर तिराहे पर ध्वजारोहण के बुलावे पर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र चौधरी को जब मंच पर कुर्सी नहीं मिली तो आग बबूला हो गए। वह नाराज होकर जमीन पर बैठ गए। सूचना मिलते ही एसडीएम राम सजीवन मौर्य और सीओ कोमल प्रसाद मिश्र मौके पर पहुंचे। उन्होंने विधायक को समझा-बुझाकर मामला को शांत कराया। फरेंदा कस्बे के विष्णु मंदिर तिराहे पर 105 फीट तिरंगा का लोकार्पण और ध्वजारोहण कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के दिन आयोजित किया गया था। विधायक वीरेंद्र चौधरी को नगर पंचायत प्रशासन द्वारा निमंत्रण दिया गया था। विधायक समय के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए। जहां पर मंच पर उनको कुर्सी और सम्मान नहीं मिला तो वह नाराजगी जाहिर करते हुए जमीन पर बैठ गए। विधायक वीरेंद्र चौधरी ने बताया मंच पर उचित सम्मान नहीं मिला। मंच पर कुर्सी खाली नहीं थी।

ग्रेटर नोएडा में भी शुरू होगी रोबोटिक मैन्युफ्रैक्चरिंग सुविधा : मिश्र

» रोबोटिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से की जा रही सर्जरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि टेक्नोलॉजी की ताकत से हम कहीं भी पहुंच सकते हैं। कई सर्जरी रोबोटिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से की जा रही हैं। नोएडा के बाद ग्रेटर नोएडा में भी रोबोटिक मैन्युफ्रैक्चरिंग फैसिलिटी शुरू होने जा रही है। आगामी दिसंबर तक मैन्युफ्रैक्चर करना शुरू भी कर देगी। ग्रेटर नोएडा में बनने वाली यह दुनिया की सबसे बड़ी रोबोटिक मैन्युफ्रैक्चरिंग फैसिलिटी होगी।

मुख्य सचिव ने मंगलवार को सिटी मोंटेसरी स्कूल गोमती नगर शाखा में रोबॉटिक्स लैब का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चे छात्र जीवन में रोबोटिक्स जैसी नई-नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानेंगे, तो उनमें अनंत संभावनाएं बनकर तैयार होंगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' के बारे में भी जिक्र किया और सीएमएस गोमती नगर शाखा के तीन छात्र आयुष, देवांश व प्रखर को वॉटरलू यूनिवर्सिटी, कनाडा में आयोजित रोबोटिक्स प्रतियोगिता में भारत को विश्व में दूसरा स्थान दिलाने पर बधाई दी। मुख्य सचिव ने कहा कि इस विद्यालय ने रोबॉटिक्स लैब का निर्माण कर छात्रों को हैंड्स-ऑन रोबॉटिक्स, एडवांस्ड टेक साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सीखने का अवसर प्रदान किया है।

24 में होने वाली चुनौती पार कर लेंगे धर्मपाल!

विद्यार्थी परिषद का लंबा अनुभव ही पार कराएगा नैया

» झारखंड की जीत में धर्मपाल ने निभाया था अहम रोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह को 2024 में होने वाली चुनौती में ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। पश्चिमी यूपी के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि धर्मपाल सिंह 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव को आसानी से पार कर लेंगे क्योंकि उनके पास विद्यार्थी परिषद का अच्छा अनुभव है। वो भी पूरब और पश्चिम दोनों क्षेत्रों का। इन इलाकों में इन्होंने कई छात्रसंघ चुनाव भी लड़ाए हैं। कई आंदोलन भी किये हैं। इसके अलावा कई प्रदेशों का अनुभव इनके पास है। वह मूलरूप से बिजनौर के ही रहने वाले हैं।

मैकेनिकल इंजीनियर की पढ़ाई करने के बाद धर्मपाल ने 1986 में आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े। 1990 से उन्होंने देहरादून से पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य शुरू किया था। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन मंत्री रहे। उत्तराखंड, पश्चिम उत्तर प्रदेश, ब्रज और पूर्वी उत्तर

प्रदेश के संगठन मंत्री रहे। 2017 के विधान सभा चुनावों में संघ की ओर से बीजेपी के लिए काम किया। जुलाई 2017 में झारखंड में बीजेपी के संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी मिली थी। वहां उन्होंने पहली बार नगर निगमों, जिला परिषदों में बीजेपी को जीत दिलाई। वहीं 2020 के बिहार विधान सभा, 2021 के असम विधान सभा और 2022 के उत्तर विधान सभा चुनावों में भी बीजेपी को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। राजनीतिक पदाधिकारी बताते हैं कि धर्मपाल को यूपी लाने की कई वजहे हैं। दरअसल, भाजपा यूपी में बड़े वोट बैंक ओबीसी को पाले में करने की कोशिश कर रही है। यूपी में सैनी बिरादरी का बड़ा वोट बैंक है। वहीं पश्चिम यूपी के बिजनौर के रहने वाले धर्मपाल की यूपी में जमीनी स्तर पर बेहतर पकड़ है क्योंकि धर्मपाल ने एबीवीपी में पश्चिम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री से लेकर यूपी में काफी काम किया है। नए महामंत्री संगठन धर्मपाल एबीवीपी में सुनील बंसल के साथ भी काम कर चुके हैं।

क्या उम्मीदों पर खरे उतर पाएंगे?

उत्तर प्रदेश बीजेपी को पिछले आठ सालों से सांगठनिक तौर पर सुनील बंसल ने जबरदस्त तरीके से मजबूत किया। 2014 लोक सभा चुनाव में बीजेपी की बंपर जीत हुई और केंद्र में बीजेपी की सरकार बनी, जिसमें प्रत्याशियों के चयन की जिम्मेदारी सुनील बंसल पर रही। ऐसे में यह तो स्पष्ट हो जाता है कि यह पद काफी अहम है लेकिन बड़ा सवाल ये है कि भाजपा ने अब जिन धर्मपाल सिंह पर भरोसा जताया है क्या वो उम्मीदों पर खरे उतर पाएंगे?

75 प्लस का नारा साकार करना है धर्मपाल को

उत्तर प्रदेश में अब सुनील बंसल की जगह पर बिजनौर के रहने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में 27 सालों तक काम करने वाले झारखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई। धर्मपाल ने लंबे समय तक छात्र राजनीति के साथ ही पार्टी को आगे बढ़ाया। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व लगातार धर्मपाल की सेवाएं लेता रहा और उनके मार्गदर्शन में देश के कई इलाकों में चुनाव हुआ। यही वजह है कि धर्मपाल को उत्तर प्रदेश जैसे बड़े सूबे की जिम्मेदारी सौंपी गई है क्योंकि 2024 में बीजेपी का 75 प्लस का नारा साकार करना है।

अब नगर निगम चुनाव के लिए सपा ने कसी कमर, मोर्चे पर उतारे प्रभारी

» जातीय समीकरण साधने के साथ जिताऊ उम्मीदवारों पर करेंगे फोकस

» हर सप्ताह वार्ड वार होगी समीक्षा बैठक, दूर की जाएंगी खामियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद अब सपा ने नगर निगम चुनाव की तैयारियां तेज कर दी है। पार्टी ने प्रभारियों को मोर्चे पर लगा दिया है। ये प्रभारी न केवल स्थानीय स्तर पर जातीय समीकरणों को साधेंगे बल्कि संभावित उम्मीदवारों की थाह भी लेंगे। ये प्रभारी कम से कम तीन नामों की सूची सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पास भेजेंगे। इसके बाद नामों का फाइनल किया जाएगा।

लोक सभा चुनाव से पहले सपा स्थानीय स्तर पर अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने में जुट गयी है। सपा ने नगर निगम चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी की ओर से बनाए गए नगर निगम प्रभारियों को संबंधित क्षेत्रों में भेजा गया है। वे यहां जातीय समीकरण के साथ ही उम्मीदवारों पर नजर रखेंगे। सितंबर के अंत तक प्रभारी तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल प्रदेश मुख्यालय भेजेंगे। नगर निगम चुनाव में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पार्टी ने पुख्ता रणनीति बनाई है। पार्टी के विधायकों को अलग-अलग निगमों का प्रभारी बनाया गया है। अलग-अलग जिले के विधायकों को अलग-अलग नगर निगम की जिम्मेदारी देकर स्थानीय गुटबंदी को खत्म करने और जिताऊ उम्मीदवार चयन की रणनीति तैयार की गई है। पार्टी की रणनीति है कि वार्ड का आरक्षण तय होते ही वहां टीमें उतार दी जाएंगी। वार्ड में आबादी के हिसाब से 50 से 60 परिवार पर एक-एक प्रभारी बनाया जाएगा। सितंबर में हर सप्ताह वार्डवार बैठक करने की तैयारी है। वाराणसी के प्रभारी बनाए गए डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि नगर निगम की तैयारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही निगम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर अगली रणनीति बनाई जाएगी। कानपुर के प्रभारी विशंभर यादव और रविदास मेहरोत्रा ने बताया कि स्थानीय नेताओं से संपर्क कर चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गई है। अयोध्या के प्रभारी अतुल प्रधान ने बताया कि अभी वे अयोध्या नहीं जा पाए हैं, जल्द ही वहां जाकर रणनीति बनाएंगे।

बूथों तक पहुंच बढ़ा रही सपा

नौ से 15 अगस्त तक चलाए गए घर-घर तिरंगा अभियान के तहत सपा ने घर-घर पहुंच बनाने की कोशिश की। सपा की रणनीति है कि बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत किया जाए। इसके लिए वह विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगों तक अपनी पहुंच लगातार बढ़ा रही है।

महंगाई और बेरोजगारी को बनाया प्रमुख मुद्दा

विभिन्न मुद्दों को लेकर सपा प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को लगातार घेर रही है। वह महंगाई और बेरोजगारी को प्रमुख मुद्दा बनाकर भाजपा सरकार पर हमलावर है। खाद्य पदार्थों में जीएसटी को लेकर भी सपा केंद्र को घेर रही है। सपा को पता है कि इन मुद्दों के जरिए वह न केवल लोक सभा बल्कि स्थानीय चुनावों पर भी अपने पक्ष में हवा बना सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्कूली शिक्षा और लापरवाह तंत्र

भले ही सरकार परिषदीय स्कूलों में निजी स्कूलों की तरह बेहतर शिक्षा देने का दावा कर रही हो लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। स्कूलों के सत्र शुरू हुए चार महीने से अधिक हो चुके हैं लेकिन अभी तक शासन की ओर से कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं करायी जा सकी है। लिहाजा लाखों बच्चे बिना पुस्तकों के स्कूल पहुंच रहे हैं। सवाल यह है कि नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ करने का जिम्मेदार कौन है? अभी तक सभी बच्चों को पुस्तकें क्यों नहीं उपलब्ध करायी जा सकी हैं? क्या केवल नोटिस-नोटिस खेल कर शासन अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेगा? क्या ऐसे ही सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से मुकाबला कर पाएंगे? क्या बिना किताबों के बच्चों को शिक्षक जरूरी ज्ञान दे पाएंगे? आखिर बच्चों की शिक्षा को लेकर लापरवाही क्यों बरती जा रही है? क्या शिक्षा व्यवस्था में आमूल-परिवर्तन करने की जरूरत सरकार को महसूस नहीं हो पा रही है?

उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा पटरी पर आती नहीं दिख रही है। शिक्षा विभाग की लापरवाही के कारण लाखों बच्चों की पढ़ाई दांव पर है। शासन की ओर से अब तक बच्चों को मुफ्त किताबें देने की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो सकी है। हाल यह है कि महज 25 फीसदी बच्चे फटी-पुरानी किताबों से पढ़ाई कर रहे है। शेष बच्चे बिना किताबों के स्कूल पहुंच रहे हैं। अकेले गोरखपुर में 2500 परिषदीय स्कूल हैं। इनमें हर वर्ष साढ़े तीन लाख बच्चों की संख्या रहती है जिनको 25 लाख किताबों का वितरण किया जाता है लेकिन किताबें नहीं होने की वजह से बच्चों कुछ सीख नहीं पा रहे हैं। सबसे अधिक समस्या अंग्रेजी और गणित के छात्रों को हो रही है जिनका एक्सरसाइज वर्क नहीं हो पा रहा है। यही हाल गोंडा, मथुरा, हाथरस, सीतापुर, लखनऊ, कुशीनगर, संतकबीर नगर, झांसी, बलरामपुर और अमरोहा का है। यह स्थिति तब है जब सरकार निजी स्कूलों के मुकाबले प्रदेश के सरकारी स्कूलों की शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दे रही है और पिछले दिनों ड्रेस आदि के लिए अभिभावकों के खाते में पैसा भेज चुकी है। जाहिर है कि लापरवाह सिस्टम ने बच्चों की पढ़ाई और भविष्य दोनों को दांव पर लगा दिया है। वहीं सरकार संबंधित अफसरों को नोटिस भेज कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर रही है। यदि सरकार गुणवत्ता युक्त शिक्षा बच्चों को उपलब्ध कराना चाहती है तो उसे न केवल पूरे सिस्टम में आमूल बदलाव करना होगा बल्कि बच्चों को ड्रेस से लेकर किताबें तक समय पर उपलब्ध कराने की पुख्ता व्यवस्था करनी होगी अन्यथा स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने की सारी कवायद धरी रह जाएगी।

भले ही सरकार परिषदीय स्कूलों में निजी स्कूलों की तरह बेहतर शिक्षा देने का दावा कर रही हो लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। स्कूलों के सत्र शुरू हुए चार महीने से अधिक हो चुके हैं लेकिन अभी तक शासन की ओर से कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं करायी जा सकी हैं। लिहाजा लाखों बच्चे बिना पुस्तकों के स्कूल पहुंच रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुदृढ़ भारत का निर्माण संभव

एनएन वोहरा

पचहत्तर वर्ष पहले भारत ने आजादी प्राप्त की। अनेकानेक अवरोधों के बावजूद देश के सर्वोत्तम दिमागों ने, लगातार घंटों तक काम करते हुए, दो साल की अथक मेहनत से देश के संविधान का अंतिम प्रारूप तैयार किया। जिसकी मूल प्रस्तावना है 'हम भारत के लोग, एक प्रभुत्ता सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने तथा इसके समस्त नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता प्रदान करने वाला ऐसा शासन, जो सब नागरिकों के बीच सौहार्द्र बढ़ाए और भारत की एकता और अखंडता अक्षुण्ण रखे, स्थापित करने के लिए खुद को आत्मार्पित करते हैं।' यहां विगत के घटनाक्रम पर यह देखने के लिए नजर डालना मौजूं होगा कि क्या हम उस लीक पर कायम रह पाए, जिसकी कामना कभी की थी।

1947 के विभाजन के दौरान हुए खौफनाक सांप्रदायिक नरसंहार में दस लाख से ज्यादा लोग मारे गए और कई करोड़ अपने घरों से दर-ब-दर हुए। नवजात सरकार के सामने दुरूह समस्याओं की असंख्य चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं, मसलन, व्यापक अराजकता, करोड़ों लोगों का पुनर्स्थापन, भोजन की भीषण तंगी, गंभीर आर्थिक संकट और अन्य समस्याओं का ढेर था। प्रशासनिक तंत्र जहां-तहां टुकड़ों में बंटा हुआ था। फिर भी पूरी शिद्दत से चुनौतियों का सामना किया। पहले के दो दशकों के दौरान केंद्रीय सरकारों ने देश निर्माण की नींव मजबूत बनाने और लोकतंत्र को सुदृढ़ धरातल पर रखने के लिए दूरदर्शी नीतियों का पालन किया। इस काल में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ। भूमि-कानून और संपत्ति परिसीमन कानून में बदलाव हुए, विशालकाय बांध और सिंचाई व्यवस्था, चिकित्सा, तकनीक, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रबंधन, रेल मार्ग निर्माण, विज्ञान, सड़कें, हाईवे, सुरंगें, नौवहनीय और सिविल उड्डयन क्षेत्र में तरक्की के लिए प्रतिष्ठानों की स्थापना करने के अलावा ऊर्जा, कोयला, सीमेंट, खाद, दवाएं और अन्य बढ़ती जरूरतों के लिए विशाल-स्तरीय क्षमताएं बनाई गईं। दूर-द्रष्टा नीतियां अपनाने वाले इस काल के बाद आई सरकारों ने भी इस लीक को कमोबेश बनाए रखा

और साथ ही अपना नया दृष्टिकोण भी जोड़ा। हरित क्रांति ने न केवल भारत को बारंबार पड़ने वाले अकालों से निजात पाने में काबिल बनाया बल्कि एक अन्न निर्यातक मुल्क भी बना दिया। वहीं 1990 के दशक के आरंभ का ऋण संकट ने अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की राह खोल दी, जिसकी बदौलत आने वाले वर्षों में वार्षिक आर्थिक प्रगति दर ने बेहतरीन छलांगें लगाईं। आज शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, सफाई, ग्रामीण विद्युतीकरण और संपर्क मार्गों में असाधारण विस्तार हुआ है। भारत अंतरिक्ष, परमाणु और सूचना प्रौद्योगिकी में दुनिया के अग्रणी देशों में आता है और हमारी सेना विश्व में तीसरी सबसे बड़ी है। भारत की जनसंख्या बहुत विशाल और विविधतापूर्ण है, विश्व के तमाम धर्मों के मानने वाले यहां बसते हैं पर इसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश में व्याप्त सांप्रदायिकता के कारण भारत का स्थान वैश्विक लोकतंत्र सूचकांक में नीचे खिसका है। विश्व भ्रष्टाचार सूचकांक में भी हमारा देश निचले पायदान पर है। करोड़ों लोगों गरीबी रेखा के दायरे में हैं। ,

वहीं भारत में चोटी के एक फीसदी अमीरों के पास देश की कुल आमदनी का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा है और कमाई में निम्न आय वर्ग के 50 फीसदी के हाथ में केवल 13 फीसदी अंश आता है। ऐसे में गरीबी में महत्वपूर्ण कमी करना, समानतापूर्ण प्रगति और एक सुदृढ़ एवं समृद्ध भारत बनाने के लिए यह जरूरी हो जाता है कि संवैधानिक ढांचे के तमाम अंग तेजी, दक्षता और ईमानदारी से काम करें। शांति-सौहार्द्र बना रहे। कार्यपालिका में, निर्वाचित राजनीतिक तत्वों और नियुक्त किए गए नौकरशाहों, दोनों के कामकाज में, पिछले सालों में ह्रास हुआ है। पिछले कुछ सालों में चुनाव लड़ने का खर्च बहुत अधिक बढ़ गया है। अवैध, भ्रष्ट और आपराधिक स्रोतों से भारी मात्रा में इकट्ठा किए गए धन का उपयोग कर अयोग्य उम्मीदवारों को जिता दिया जाता है। इससे संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले विधायकों-सांसदों की संख्या बढ़ती जा रही है। जन हित से जुड़े अहम मुद्दों पर सदन में किसी भी किस्म की बहस करवाए बिना कानून अनुमोदित करवाए जा रहे हैं। जाहिर है एक मजबूत और समृद्ध मुल्क बनने की राह में आगे बढ़ते हमारे कदमों में, हमारे नीति नियंताओं को भूलना नहीं होगा, कि अस्थाई तौर पर भी भारत की संभावनाशील ताकत की जड़ें हमारी विशाल एवं विविधतापूर्ण जनसंख्या में हैं। इसमें किसी प्रकार के विचलन के परिणाम विध्वसंक हो सकते हैं।

चीन-ताइवान में तकरार दुनिया के लिए खतरनाक

राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

चीन ने ताइवान से आने वाली खाद्य सामग्री के 100 से अधिक उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी है तो दूसरी और ताइवान ने भी चीन से मंगाये जाने वाले कंस्ट्रक्शन से जुड़े उत्पादों को मंगाना बंद कर दिया है और इन उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी है। अभी दुनिया के देश रूस-यूक्रेन के युद्ध की विभिषिका से दो-चार हो ही रहे हैं कि अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद चीन-ताइवान के बीच तनाव के हालात पैदा हो गए हैं। हालांकि बड़े दिग्गजों को यह समझ जाना चाहिए कि रूस के सामने यूक्रेन जैसे छोटे से देश ने युद्ध को इतना लंबा खींचकर रूस के सामने चुनौती साबित कर दी है और माने या ना माने रूस को अंदरखाने यह महसूस करा दिया है कि जिस युद्ध को दो चार दिन का युद्ध मानकर यूक्रेन से सरेंडर की आस लगाये बैठा था उस युद्ध ने रूस ही नहीं दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था को झकझोर के रख दिया है।

अनाज संकट के साथ ही कच्चे तेल, गैस आदि का संकट सबके सामने है। लगभग यही हालात ताइवान-चीन के बीच संघर्ष के दौरान होना है। भले ही ताइवान कितना ही छोटा देश हो, चीन कितना ही बौना मानता हो पर दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था को हिलाने के लिए ताइवान किसी बड़ी ताकत से कम नहीं है। यहां तक कि ताइवान से तनाव के परिणाम को स्वयं चीन को भी भुगतना पड़ेगा। कोरोना के दौर में हालात हम देख चुके हैं। हालांकि नैंसी की यात्रा के बाद चीन ने गहरी नाराजगी जताई है और प्रतिक्रिया स्वरूप सैन्य अभ्यास आरंभ कर दिया है या यों कहें कि दबाव की नीति के तहत ताइवान की घेराबंदी शुरू कर दी है। ताइवान आज भले ही छोटा देश हो पर अपनी तकनीक की ताकत की बदौलत सारी दुनिया के देशों को हिलाने की क्षमता रखता है। चौपहिया से लेकर मोबाइल इंडस्ट्री तक को पटरी से उतारने की क्षमता आज ताइवान के पास है और मजे की बात यह कि इस ताकत को दुनिया के सारे देश जानते हैं। स्वयं चीन की अर्थव्यवस्था को ऑक्सीजन देने में ताइवान की प्रमुख भूमिका है।

आज चौपहिया वाहन से लेकर मोबाइल सहित इलेक्ट्रोनिक उत्पादों के निर्माण उपयोग में आने वाला सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश ताइवान है। अभी पिछले दिनों ही सेमीकंडक्टर की कम आपूर्ति के चलते कार इंडस्ट्री बुरी तरह प्रभावित हो चुकी है। आज दुनिया के देशों में सेमीकंडक्टर के निर्माण में सबसे आगे ताइवान है। ताइवान आज भी सेमीकंडक्टर के निर्माण में पहले पायदान पर है। यह सफर भी कोई ज्यादा पुराना नहीं है। 1987 में ही ताइवान ने सेमीकंडक्टर निर्माण की कंपनी की स्थापना की थी। एक समय ऐसा भी रहा है जब दुनिया के देशों की 92 फीसदी डिमांड की पूर्ति इस कंपनी द्वारा की जा रही थी। दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग की भागीदारी केवल 8 फीसदी थी। सेमीकंडक्टर के निर्माण व गुणवत्ता में ताइवान चीन से मीलों आगे है। यह भी साफ है कि ताइवान और चीन के बीच तनाव बढ़ता है और युद्ध के हालात बनते हैं तो सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनियों में उत्पादन प्रभावित होगा और इससे कारों से लेकर मोबाइल तक सभी के उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। दुनिया की कार, मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों में उत्पादन कार्य प्रभावित होगा।

चीन ताइवान के बीच तनाव का असर अभी फिलहाल तो इन दोनों देशों में सामने आने लगा है। चीन ने ताइवान से आने वाली खाद्य सामग्री के 100 से अधिक उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी है तो दूसरी ओर ताइवान ने भी चीन से मंगाये जाने वाले कंस्ट्रक्शन से जुड़े उत्पादों को मंगाना बंद कर दिया है और इन उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी है। इसे केवल दो देशों के बीच एक दूसरे के खिलाफ कार्यवाही से नहीं देखा जा सकता। इस टकराव का सीधा-सीधा असर दुनिया के देशों पर निश्चित रूप से पड़ेगा, इससे कोई इंकार करता है तो यह किसी भूल से कम नहीं होगी। कोरोना के बाद संभलती अर्थव्यवस्था को रूस यूक्रेन युद्ध से पहले ही धक्का लग चुका है। अगर रूस यूक्रेन की तरह ही ताइवान और चीन के बीच तनाव युद्ध में बदलता है तो दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था को बचाना आसान नहीं होगा। आपूर्ति व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होगी। कारों, मोबाइल, कैमरों, प्रिंटरों और समग्र रूप से इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को प्रभावित करेगी। चीन ने ताइवान के पास सैन्य अभियान जारी कर रखा है और ताइवान का तो यहां तक कहना है कि यह किसी हमले से कम नहीं हैं। ताइवान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद तक का आह्वान कर दिया है। ऐसे में दुनिया के देशों को हालात की गंभीरता को समझना होगा।

इतिहास तो यही बताता है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं तनाव को कम करने में लगभग विफल ही रही हैं। रूस यूक्रेन के हालात सबके सामने हैं। यही हालात चीन ताइवान के हालातों पर रहेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ के भरोसे अधिक समय तक चला नहीं जा सकता। इसी तरह से दुनिया के देशों को यह भी साफ हो जाना चाहिए कि दुनिया के देश आंख मूंद कर हालात देखते रहेंगे तो इसके परिणाम अच्छे होने वाले नहीं हैं।

दुनिया के देशों को पहल करनी ही होगी ताकि समय रहते तनाव को कम किया जा सके। दरअसल अपनी ताकत के प्रदर्शन और पड़ोसी देशों को दबाने की नीति बढ़ती जा रही है। पर अब ऐसा करना आसान नहीं है। कहीं न कहीं यह समझना होगा कि अब हम आदि मानव नहीं रहे हैं। हमें सहअस्तित्व की नीति पर काम करना होगा। छोटा हो या बड़ा देश उसके अस्तित्व और अस्मिता को स्वीकारना होगा। आज यह समय आ गया है जब छोटे से छोटा देश आसानी से कब्जे में नहीं लिया जा सकता है। कोरोना और रूस-यूक्रेन युद्ध से समय रहते सबक लेना ही होगा।

मोटापा बीमारियों की जड़, वजन करें कम

वजन कम करना मौजूदा समय में लोगों के लिए बड़ा चैलेंज है। एक बार वजन बढ़ जाने के बाद इसे कम करने के लिए तमाम कोशिशों की आवश्यकता होती है। व्यायाम से लेकर आहार में परिवर्तन तक, लोग वजन को कम करने के लिए क्या कुछ नहीं करते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वजन का बढ़ना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है। अधिक वजन वाले लोगों में हृदय रोग, डायबिटीज से लेकर कई तरह की अन्य बीमारियों के पनपने का जोखिम भी अधिक होता है। यही कारण है आहार के चयन को लेकर लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। क्या आप भी वजन को कंट्रोल रखने के लिए कुछ भी खाने से पहले कई बार सोचते हैं? तो आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

सूखे मेवे फायदेमंद

स्वस्थ और फिट शरीर के लिए सूखे मेवों के सेवन पर विशेषज्ञ जोर देते हैं। मेवे स्वस्थ वसा और प्रोटीन से भरपूर होते हैं और आपको लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकते हैं। शरीर को ऊर्जावान और स्वस्थ बनाने के लिए अखरोट, बादाम, मूंगफली, काजू और पिस्ता के रोजाना सेवन की आदत बनानी चाहिए। सूखे मेवे वजन को कंट्रोल रखने में भी आपके लिए कई प्रकार से मददगार हो सकते हैं।

मौसमी फलों का सेवन कई प्रकार से लाभदायक

हर मौसम की अपनी कुछ खास विशेषता और पहचान होती है, मौसम के आधार पर कई प्रकार की फल और सब्जियां भी उपलब्ध होती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में मौसमी फलों-सब्जियों को जरूर शामिल करने की सलाह देते हैं। ये तमाम तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की इनसे आसानी से प्राप्ति की जा सकती है। मौसमी फलों का सेवन आपके स्वस्थ वजन के लिए भी लाभकारी होता है।

प्रोटीन का स्रोत होते हैं चने

काले हों या सफेद, दोनों प्रकार के चनों को प्रोटीन का बेहतर स्रोत माना जाता है, इनका सेवन मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकता है और इससे वजन बढ़ने का खतरा भी नहीं होता है। चने फाइबर का भी अच्छा स्रोत माने जाते हैं जो पेट को भरा हुआ रखने के साथ वजन को कंट्रोल रखने में आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए चनों को प्रोटीन के सबसे बेहतर स्रोतों में से एक माना जाता है।

साबुत अनाज

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक शोध से पता चलता है कि रिफाइंड अनाज की तुलना में साबुत अनाज का सेवन करना आपके लिए ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है जो पेट को ठीक रखने के साथ वजन को कंट्रोल करने में आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। साबुत अनाज कैलोरी को भी कंट्रोल रखने में मददगार होते हैं और इससे मेटाबॉलिज्म भी ठीक रहता है।

हंसना मना है

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं....दूसरो के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं... बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है पत्नी-क्या गलतफलमी? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक लड़की को देखा तो ऐसा...लगा दूसरी लड़की को देखा तो वैसा...लगा और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे...तो एक जैसा लगा।

लड़की- लड़के के गले लगकर बोली...कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए लड़का- ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप...पीछे तेरा बाप खड़ा है।

मेहमान- और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते है बिस्कुट खाउंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....।

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए...!!! पत्नी (हंसते हुए)-देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

कहानी | लालची व्यक्ति

घी के दो व्यापारियों की दुकानें एक-दूसरे के बराबर में थीं। एक दिन उनमें से एक ने दूसरे से 500 स्वर्ण मोहरें उधार लेने की सोची और अपना कर्ज बिना किसी परेशानी के चुकाने को कहा। लेकिन जब कर्ज वापस करने का समय आया तो उसने ऐसा करने से मना कर दिया। उसने यह भी स्वीकार करने से मना कर दिया कि उसने उससे रुपये उधार लिए हैं। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था। वह न्याय के लिए बादशाह के पास गया। बीरबल को हमेशा की तरह न्याय करने को कहा। बीरबल ने दोनों को बुलवाया और दोनों की कहानी सुनी। बीरबल ने दोनों से दस दिन का समय मांगा और दोनों व्यापारियों को घर भेज दिया। समस्या पर गहन विचार के बाद बीरबल ने तेल के 10 टिन मंगवाए। हर टिन में 10 किलो तेल था और उनमें से दो में बीरबल ने सोने के सिक्के डाल दिए। तब उसने 10 टिन अलग-अलग 10 व्यापारियों को दिए और उनकी कीमत पता करने को कहा। उन्हें वे टिन घर ले जाने और तीन दिन बाद वापस आने को कहा। बीरबल ने सोने के सिक्के वाले दोनों बर्तन घी व्यापारियों को दे दिये। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह ईमानदार था और उसने सोने का सिक्का लौटा दिया। लेकिन उसके बेईमान पड़ोसी को सिक्का मिला तो उसने उसे अपने बेटे को दे दिया। निश्चित दिन पर सभी 10 व्यापारी तेल लेकर बीरबल के पास आये और उन्हें मूल्य के बारे में बताया। बीरबल ने उस व्यापारी के टिन को ध्यान से देखा जो अपना कर्ज नहीं चुकाना चाहता था और यह भी देखा कि सिक्का गायब होने के साथ उसमें से कुछ तेल भी कम था। जब बीरबल ने इस बारे में पूछा, तो व्यापारी ने जवाब दिया कि जब मैंने इसे परखने के लिए गरम किया होगा यह तब कम हो गया होगा। बीरबल बोले, अच्छा यह बात है, चलो मैं देखता हूं। मैं अभी वापस आता हूं। ऐसा कहकर, वह अंदर गया और अपने एक नौकर को उस व्यापारी के घर जाकर उसके पुत्र से सिक्का लाने को कहा। बहुत जल्द वह लड़का सोने के सिक्के के साथ दरबार में आ गया और तुरन्त उससे बीरबल ने पूछा, क्या तुम वे पांचों सिक्के लेकर आये हो जो तुम्हारे पिता को तेल में मिले थे? तभी उत्तर आया, मालिक, तेल में केवल एक सिक्का था, पांच नहीं। बीरबल ने तब व्यापारी से कहा, जब तुम एक सिक्के के लिए बेईमानी कर सकते हो जो मैंने तेल के डिब्बे में डाला था व इसके साथ तुमने उसमें से कुछ तेल भी निकाल लिया और गरम करने के कारण तेल कम होने का बहाना बना दिया तब तुम 500 सोने के सिक्कों के लिए सच क्यों बोलोंगे, जो तुमने पड़ोसी से उधार लिए थे। अब तुम्हारे पास कहने को क्या है ? अब व्यापारी को बचाव का कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने सभी तेल व्यापारियों के सामने अपनी गलती मान ली।

इस कहानी से मिलने वाली शिक्षा : सच कभी भी परदे के पीछे नहीं रह सकता। बेईमानी देर सवेर सामने आ ही जाती है। इज्जत एक बार जाने के बाद दोबारा पाना मुश्किल हो जाता है।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन अच्छे परिणाम देगा। कुछ मामूली झटकों के बावजूद आप अच्छी प्रगति करेंगे। आपको व्यवसाय में उत्कृष्ट परिणाम मिलेंगे। नौकरी की तलाश में हैं तो आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ

आज आपके अच्छे व्यवहार से आसपास के लोग खुश रहेंगे। साथ ही आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। समाज में आपको उचित आदर-सम्मान मिलेगा।

मिथुन

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी साबित होगा। व्यवसाय में नई विचारधारा अमल में लाएंगे।

कर्क

विदेशी व्यापार संबंधित सौदों के अंतिम रूप देने के लिए यात्रा की योजना फिर से शुरू होगी। आपको अपने विदेशी संपर्कों से लाभ प्राप्त होने की प्रबल संभावना है। किन्तु अचानक वित्तीय संकट सतह पर आ सकता है।

सिंह

आज आप धार्मिक स्थल के दर्शन के लिए जायेंगे। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है। अचानक से कोई मददगार आपका अच्छा दोस्त बन सकता है। आपके काम में नयापन आयेगा।

कन्या

आज सूचनाओं का आदान प्रदान बढ़ेगा। धर्म संस्कार को बल मिलेगा। भाग्य की प्रबलता बनी रहेगी। प्रवास और स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा। राजनीति से जुड़े जातकों के लिए समय सफलता लिए है।

तुला

आज का दिन आपको चौतरफा खुशी दे सकता है। व्यावसायिक रूप से आप सक्रिय और सतर्क रहेंगे। ज्ञान और जानकारी इकट्ठा करने के संदर्भ में अच्छी प्रगति करेंगे।

वृश्चिक

आज नौकरीपेशा लोगों को नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। आगे चलकर ये प्रोजेक्ट आपको फायदा दिलायेगा। इस राशि के साईस स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है।

धनु

काम पर फोकस करने की जिम्मेदारी मिलेगी, इसे हाथ से जाने न दें। आज के दिन घटनाएं अच्छी तो होंगी, लेकिन तनाव भी देंगी जिसके चलते आप थकान और दुविधा महसूस करेंगे।

मकर

कार्य सुगमता से आगे बढ़ेंगे और स्थितियां आपके पक्ष में होंगी। लेखन, साहित्य, कला, संगीत, सिनेमा, टीवी आदि से जुड़े लोग अपनी प्रतिभा से पहचान बनाएंगे। वित्तीय मामले बिना किसी बाधा के आसानी से आगे बढ़ेंगे।

कुम्भ

आज आपको तरक्की के कुछ नये साधन मिलेंगे। आपको बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। घर पर छोटी-सी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

मीन

मैरिज के इच्छुक की जातकों की मुराद आज पूरी होगी हो सकती है। किसी रिश्तेदार की तरफ से रिश्ता आ सकता है। लव लाइफ में मिठास बढ़ेगा। आज लाइफ में कोई नया साथी आ सकता है।

नौसेना के अधिकारियों संग कार्तिक आर्यन ने की खूब मस्ती

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कार्तिक आर्यन ने कई तस्वीरें और वीडियो शेयर कीं और खुलासा किया कि उन्होंने भारतीय नौसेना के अधिकारियों के साथ समय बिताया। इन तस्वीरों और वीडियो में कार्तिक को एक नौसैनिक जहाज पर कई एक्टिविटी में भाग लेते हुए देखा गया। कार्तिक की इन तस्वीरों और वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है। इस तस्वीर में कार्तिक आर्यन को अधिकारियों के एक समूह के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। उनके बैकग्राउंड में एक तिरंगा दिख रहा है।

कार्तिक आर्यन ने भारतीय नौसेना अधिकारियों के साथ रस्साकशी का खेल भी खेला। इस दौरान नौसैनिक उन्हें चीयर करते हुए भी दिखाई दिए। इस दौरान कार्तिक काफी खुश भी दिखाई दिए। फिर कार्तिक आर्यन को कुछ अन्य सशस्त्र अधिकारियों के साथ बंदूक के साथ पोज देते देखा गया। इस दौरान वह थोड़ा गंभीर पोज देते हुए दिखाई दिए। कार्तिक आर्यन ने भारतीय नौसैनिकों का एंटरटेनमेंट भी किया। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह कुछ कलाकारों के साथ भागड़ा करते हुए और अधिकारियों के साथ गेम खेलते हुए देखा गया।

बॉलीवुड मसाला

कार्तिक आर्यन ने और भी वीडियो शेयर किए, जिसमें वह रोटी बनाने की मशीन से प्रभावित होते हुए दिख रहे हैं। जबकि एक अन्य वीडियो में वह अधिकारियों के साथ भारत माता की जय के नारे लगाते भी दिखे। इसके साथ ही एक वीडियो में कार्तिक आर्यन ने अपने फैंस को उस अधिकारी संग्राम से मिलवाया जिन्होंने ताउते तूफान के दौरान लोगों को खुद जाकर बचाया था। कार्तिक आर्यन ने इन तस्वीरों और वीडियो को शेयर करते लिखा, जय जवान! एक दिन नौसेना के जांबाज़ जवानों के साथ।

फिल्म अदल बदल में रोमांस करेंगे सिद्धार्थ-कियारा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी लंबे समय से डेटिंग को लेकर सुर्खियों में हैं। शेरशाह के बाद से ही दोनों के रिलेशनशिप की अफवाहें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। अब खबरें आ रही हैं कि दोनों जल्द ही एक बड़े पर्दे पर एक लव स्टोरी में साथ काम करते हुए दिखाई देंगे।

शेरशाह के बाद सिद्धार्थ और कियारा एक यूनिक लव स्टोरी अदल बदल में साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म की कहानी सिद्धार्थ और कियारा की रहस्यमय लव स्टोरी के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देगी। इस रोम-कॉम फिल्म को सुनीर खेतरपाल प्रोड्यूस कर रहे हैं। साथ ही रिपोर्ट में बताया गया, यह फिल्म एक रोम-कॉम फिल्म बनाई जाएगी, जिसमें बहुत सारा वीएफएक्स और सीजीआई का काम भी होगा। ऐसा पहली बार होगा जब दोनों ऐसी यूनिक लव स्टोरी में एक साथ काम करेंगे। सिद्धार्थ और कियारा दोनों इस फिल्म के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। सिद्धार्थ और कियारा ने भी एक और फिल्म में साथ काम करने की हिंट पहले ही दे दी थी। हालांकि दोनों अभी तक इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। हाल ही में कियारा और सिद्धार्थ फिर एक बार चर्चाओं में हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

जॉन अब्राहम ने की नई फिल्म 'तारिक' की अनाउंसमेंट

जॉन अब्राहम ने (15 अगस्त) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट की है। उनकी इस फिल्म का नाम तारिक है। इस बात की जानकारी जॉन ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। जॉन ने यह भी खुलासा किया है कि फिल्म अगले साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ही रिलीज होगी। जॉन इस फिल्म में एक्टिंग के अलावा इसे को-प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। जॉन अब्राहम ने फिल्म का रिलीज डेट अनाउंसमेंट पोस्टर शेयर कर लिखा, ५आजादी की तारिक 15 अगस्त 2023। तेहरान और बाटला हाउस के बाद तारिक बेक माई केक फिल्म्स के साथ हमारा अगला सहयोग है। अच्छी कहानियां कहने की आजादी का जश्न मनाने का समय। ष्आजादी का अमृत महोत्सव। इस फिल्म का डायरेक्शन अरुण गोपालन कर रहे हैं। फिल्म को जॉन अब्राहम, संदीप लेजेल और शोभना यादव मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की कहानी ललित मराठे ने लिखी है। इस फिल्म की अनाउंसमेंट के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हैं। एक यूजर ने पोस्टर पर कमेंट कर लिखा, वाह! बहुत उत्साहित हैप्पी स्वतंत्रता दिवस जॉन। दूसरे फैन ने लिखा, जॉन अभी भी एक विलन रिटर्न्स में कैबी के आपके कैरेक्टर को देख रहे हैं। इसके अलावा कई और फैंस ने इस पोस्टर को देखकर जॉन अब्राहम की तारीफ की है। वर्कफ्रंट की बात करें, जॉन जल्द ही शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म पठान में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में हैं। फिल्म को अगले साल जनवरी में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा जॉन तेहरान में मानुषी छिल्लर के साथ भी दिखाई देंगे।

अजब-गजब | यहां एक कदम भी नहीं हिला पाता कोई!

भारत का वो शहर, जहां रोजाना 52 सेकेंड के लिए रुक जाता है सबकुछ

भारत में एक ऐसा शहर भी है, जहां रोजाना सुबह 52 सेकेंड के लिए सब कुछ थम जाता है। जो जहां खड़ा रहता है, वहीं सावधान की मुद्रा में जम जाता है। बच्चों से लेकर बूढ़े तक, औरत से लेकर मर्द तक, कोई एक कदम भी आगे-पीछे नहीं करता। दरअसल, इस शहर में रोजाना सुबह एक खास समय पर राष्ट्रगान बजाया जाता है। इस दौरान पूरा शहर थम जाता है। यह तेलंगाना का नालगोंडा शहर है। नालगोंडा में हर रोज सुबह साढ़े आठ बजे लाउडस्पीकर पर राष्ट्रगान बजाया जाता है और पूरा शहर 52 सेकंड के लिए थम जाता है।

थम जाता है पूरा शहर

दरअसल, शहर के अलग-अलग हिस्सों में बड़े-बड़े लाउडस्पीकर्स लगाए गए हैं। रोजाना सुबह साढे आठ बजे जब इन लाउडस्पीकर्स पर राष्ट्रगान बजता है तो यहां के लोग जहां होते हैं, वहां सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाते हैं। बता दें कि राष्ट्रगान को गाने का कुल समय 52 सेकेंड का होता है। राष्ट्रगान खत्म होने के बाद ही यहां के लोग अपने काम के लिए आगे बढ़ते हैं। आयोजकों को इस आइडिया पर काम करने की प्रेरणा मिली थी जम्मिकुंता नाम की जगह से, जहां हर रोज राष्ट्रगान बजाया जाता था। इससे प्रेरित होकर नालगोंडा में जन-गण-मन उत्सव समिति के द्वारा यह कार्यक्रम शुरू किया गया। पहली बार 23 जनवरी 2021 को शहर में इस प्रयोग को किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने समिति की इस पहल की बहुत तारीफ की, जिस समय राष्ट्रगान बजाया जाता है, उस समय समिति के कार्यकर्ता पूरे शहर में अलग-अलग जगहों पर हाथ में तिरंगा लिए खड़े रहते हैं। नालगोंडा के लोगों के लिए यह क्षण बहुत रोमांचकारी होता है। जहां पूरे देश में अमूमन स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर लोग सावधान मुद्रा में खड़े होते है। वहीं नालगोंडा के लोग इस एहसास को रोज जीते हैं। कई लोगों ने इस कदम की तारीफ की। इस पहल की तब और सराहना हुई जब सड़क पर दो छोटे बच्चे राष्ट्रगान को सुनकर बीच सड़क पर ही सावधान की मुद्रा में खड़े हो गए और तब तक नहीं हिले जब तक राष्ट्रगान समाप्त नहीं हो गया।

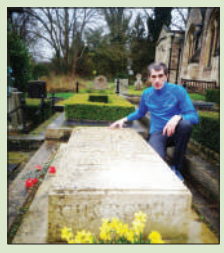

इस शख्स को है कब्रिस्तान में जाकर फोटो खिंचवाने का शौक अब तक दुनियाभर में 700 कब्रों के साथ ले चुका है तस्वीरें

कुछ लोगों के शौक ऐसे अजीबोगरीब होते हैं, जिनके बारे में सुनकर कोई भी अपना माथा पकड़ ले, लेकिन शौक तो शौक होता है, जिसे पूरा करने के लिए कई लोग हद से ज्यादा गुजर जाते हैं। यही नहीं, वह अपने शौक को पूरा करने के लिए करोड़ों रुपये भी पानी की तरह बहा देते हैं। आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके शौक के बारे में सुनकर यकीनन आप दंग रह जाएंगे। क्योंकि ये शख्स कब्रिस्तान में जाकर कब्रों के साथ फोटो खिंचवाने का शौकीन है। इससे भी हैरानी की बात ये है कि ये शख्स अपने इस शौक को पूरा करने के लिए करोड़ों रुपये भी फूंक चुका है। दरअसल, मार्क डबास नाम का एक शख्स को अजीबोगरीब शौक पाले हुए है। वह दुनिया के मशहूर लोगों की कब्रों पर जाकर वहां फोटो खिंचवाता है। हैरानी की बात तो ये है कि वो शख्स ऐसा करने के लिए करोड़ों रुपये फूंकने में भी पीछे नहीं हटता। अब तक वह दुनियाभर में घूमकर 700 कब्रिस्तानों में फोटो ले चुका है। उसका कहना है कि वह दुनिया से विदा हो चुके इन लोगों से मिलने के लिए वहां जाता है। 49 साल के मार्क डबास को अनोखा शौक है, जो उन्हें दुनिया की अलग-अलग जगहों पर घूमकर लोगों की मज़ारों पर जाते हैं। जहां वे ऐतिहासिक, राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों की कब्रों पर जाकर फोटो खिंचवाते हैं। वे वॉशिंगटन डीसी में जॉन एफ केनेडी और लॉस एंजेलस में मर्लिन मुनरो की भी मज़ार पर जा चुके हैं। वे अब तक 700 कब्रों के साथ फोटो ले चुके हैं। जिनमें से 100 यूनाइटेड किंगडम में ही मौजूद हैं। खेल, राजनीति, फिल्म और इतिहास से जुडे हुए लोगों की कब्रों पर जाना उन्हें पसंद है और वे अभी इस शौक को नियंत्रित करने के मूड में नहीं हैं। हैरानी की बात तो ये है कि मार्क डबास कब्रों के साथ फोटो खींचने के अपने शौक को पूरा करने के लिए अब तक .160 000 यानी 1 करोड़ 24 लाख रुपये से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। मार्क डबास पेशे से नर्स है। उनका कहना है कि जब वे ऐसे लोगों की कब्रों की तलाश करने जाते हैं तो उन्हें कई बार कुछ मजेदार देखने और सुनने को मिलता है। डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक जब वे रूजवेल्ट की मजार पर ऑइस्टर बे में पहुंचे, तो वहा कोई भी नहीं था। ये एक रेलिंग के पीछे था और गेट भी बंद था। वहां मौजूद लोहे की सीढ़ी पर चढ़ते ही वो गिर पड़ी और वे कब्र में घंटों फंसे रह गए। उसके बाद वह बड़ी मुश्किल से कब्र के बाहर आए और ये उनके लिए काफी डरावना अनुभव था।

जदयू ने खेला नया दांव

राज्य सभा के उपसभापति पद से इस्तीफा नहीं देंगे हरिवंश

» कहा, बिहार के सियासी घटनाक्रम से उच्च सदन के डिप्टी स्पीकर का लेना-देना नहीं

» कल हुआ था बिहार में नीतीश की महागठबंधन सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बदली सियासत का असर अब राज्य सभा तक पहुंच गया है। जदयू ने राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश नारायण को लेकर नया दांव चला है। जदयू अध्यक्ष ललन सिंह खुद सामने आए हैं और कहा है कि हरिवंश नारायण को अपने पद से इस्तीफा देने की कोइ जरूरत नहीं है। जदयू का एनडीए से अलग होना एक राजनीतिक फैसला है, जहां तक उच्च सदन में डिप्टी स्पीकर के पद की बात है तो उसका बिहार के सियासी घटनाक्रम से कोई लेना-देना नहीं है।

बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन टूटने के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि हरिवंश नारायण सिंह भी इस्तीफा दे सकते हैं। यह भी कहा जा रहा था कि भाजपा हरिवंश सिंह के बहाने जदयू को झटका दे सकती है। इस मामले में हरिवंश ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, ललन सिंह ने कहा है कि हरिवंश सिंह ने खुद ही नीतीश कुमार के महागठबंधन में जाने के फैसले को सही बताया है। राज्य सभा के डिप्टी चेयरमैन का पद सदन से जुड़ा मामला है। उन्हें अपने पद से इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। जब राज्य सभा उपसभापति का चुनाव हुआ था उस समय एनडीए से अलग दलों ने भी हरिवंश को वोट देकर उनका समर्थन किया था। गौरतलब है कि एनडीए से नाता तोड़ने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नई कैबिनेट का मंगलवार को विस्तार हुआ। बिहार के राज्यपाल ने आरजेडी के 16, जेडीयू के 11, कांग्रेस के दो, हम के एक और एक निर्दलीय विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई।

तेजस्वी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, परिवाद दायर

» केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ टिप्पणी का मामला

मुजफ्फरपुर। बिहार के नए उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मुजफ्फरपुर के सीजेएम कोर्ट के ही एमपी-एमएलए कोर्ट में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ में परिवाद दायर किया गया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को लेकर अमर्यादित ट्वीट करने पर भाजपा नेता और एक सामाजिक कार्यकर्ता दिव्यांशु किशोर ने मामला दर्ज कराया है। इस मामले में सुनवाई की तिथि 25 अगस्त को सुनिश्चित की गई है। मुजफ्फरपुर जिले के एमपी-एमएलए की कोर्ट में ये मामला दर्ज कराया गया है। बीते दिनों राजद के नेता और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ एक अमर्यादित टिप्पणी की गई थी। अब इस टिप्पणी से आहत होकर मुजफ्फरपुर के सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा नेता दिव्यांशु किशोर ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने को लेकर यह मामला दर्ज कराया है।

सड़कों के तेज निर्माण से गांवों का होगा समग्र विकास : केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» किसानों को अपना उत्पादन बाजार तक पहुंचाने में होगी आसानी

» डिप्टी सीएम ने एफडीआर पोर्टल किया लॉन्च

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों में एफडीआर तकनीक का इस्तेमाल क्रांतिकारी और अभिनव कदम है। अब सड़कों का निर्माण फास्टट्रैक मोड में होगा। यूपी में अपनाई गई इस तकनीक का उपयोग अब अन्य कई राज्यों में किया जा रहा है। एफडीआर से सड़कों की लागत में कमी आएगी और वे ज्यादा मजबूत होंगी।

यूपीआरआरडीए सभागार गन्ना संस्थान में आयोजित कार्यशाला में तकनीक के बेहतर क्रियान्वयन के लिए उत्तम एफडीआर पोर्टल लॉन्च करते हुए उन्होंने कहा कि इससे सड़कों के निर्माण में आसानी होगी। पोर्टल से सड़कों की गुणवत्ता बनाए रखने व निर्माण में तेजी लाने के लिए अच्छा प्लेटफार्म मिला है व विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपलोड की जा सकेंगी। फाइल वर्क में कमी आएगी और फील्ड की समस्याओं को भी आसानी से दूर किया जा सकेगा। उपमुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इसका अनुसरण देश के अन्य राज्यों में ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी होगा। पीएमजीएसवाई की सड़कों को 5.5 मीटर चौड़ा करके उच्चीकृत किया जा रहा है, ये मार्ग ग्रामीण हाई-वे साबित होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और किसानों को अपना उत्पादन बढ़ाने व उसे बाजार तक ले जाने में आसानी होगी। इससे गांवों का समग्र विकास होगा।

फोटो : 4पीएम

सम्मान लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के मुख्य सुरक्षा अधिकारी डिप्टी एसपी रामकृष्ण यादव को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति पुलिस पदक सराहनीय सेवा से नवाजा गया। उनको यह पदक एडीजी सुरक्षा यूपी विनोद कुमार सिंह ने प्रदान किया।

सीएम धामी से मिले रावत, स्थगित किया उपवास

» पंचायत चुनाव में स्थानीय नेतृत्व को समाप्त करने का लगाया था आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार देर शाम उनके आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भेंट की। उन्होंने हरिद्वार जिले में पंचायत चुनाव को देखते हुए स्थानीय नेतृत्व को समाप्त करने की शिकायत की तो मुख्यमंत्री धामी ने समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। इसके बाद हरीश रावत ने 18 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास पर प्रस्तावित उपवास कार्यक्रम स्थगित कर दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने हरिद्वार जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में स्थानीय नेतृत्व को समाप्त करने का आरोप स्थानीय प्रशासन पर लगाया था। इसके विरोध में उन्होंने 18 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास पर उपवास करने की चेतावनी दी थी। मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी के साथ मुलाकात में हरीश रावत ने इस विषय को गंभीरता के साथ उठाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन का आतंक समाप्त होना चाहिए। रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया है कि इस वार्ता के बाद उन्हें हरिद्वार जिले के भीतर प्रभाव दिखाई देगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हरिद्वार में चुनाव की प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। हरीश रावत ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में भर्ती परीक्षा में अनियमितता के लिए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ में भर्ती परीक्षाओं में सम्मिलित हुए और सफल रहने वालों के भविष्य के बारे में गंभीरता से विचार करने की अपेक्षा की।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुष्पा देवी मिश्रा पत्नी शैलेन्द्र कुमार मिश्र निरऊमऊ, पोस्ट- लक्ष्मनपुर, नवाबगंज, बाराबंकी, उर प्रदेश ने एक प्लाट संया-3, खसरा नं0-42, ग्राम-कमलापुर परगना महौना, तहसील-बी0के0टी0 लखनऊ, क्षेत्रफल-750 वर्गफुट को पूर्व स्वामी पूनम कनौजिया पत्नी रामू कनौजिया से क्रय किया है एवं पूनम कनौजिया पत्नी रामू नौजिया ने उपरोक्त भूखण्ड किरन कश्यप उर्फ-नीमा पत्नी जगदीश प्रसाद से क्रय किया है एवं किरन कश्यप उर्फ नीमा पत्नी जगदीश प्रसाद ने उपरोक्त भूखण्ड रामचरन पुत्र रतनू आदि से क्रय किया था जो पुस्तक संया 1 खण्ड -3858 पेज-1 से 20 क्रमांक - 5401 पर उप-निबन्धक बीकेटी, लखनऊ को निबन्धित है उक्त मूल विक्रय विलेख गुम हो गया है। अब उपरोक्त भूखण्ड को निर्माण हेतु वर्तमान स्वामी, महेन्द्र कुमार पुत्र मैकूलाल, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से गृह ऋण ले रहा है। यदि किसी व्यक्ति को कोई अपाी हो तो 07 दिन के अन्दर निन से सपर्क करें।

- मृगेंद्र बहादुर सिंह
अधिवक्ता आधार हाउसिंग
फाइनेंस लिमिटेड
मो0 -9415542801, 6394317537
आफिस/निवास- ईडलूएस-209 - 210 से टर-जी, जानकीपुरम, लखनऊ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुष्पा देवी मिश्रा पत्नी शैलेन्द्र कुमार मिश्र निरऊमऊ, पोस्ट- लक्ष्मनपुर, नवाबगंज, बाराबंकी, उर प्रदेश ने एक प्लाट संया-3, खसरा नं0-42, ग्राम-कमलापुर परगना महौना, तहसील-बी0के0टी0 लखनऊ, क्षेत्रफल-750 वर्गफुट को पूर्व स्वामी मनोज कुमार तिवारी पुत्र चन्द्रमौलि तिवारी से क्रय किया है एवं मनोज कुमार तिवारी पुत्र चन्द्रमौलि तिवारी ने उपरोक्त भूखण्ड अच्छे पुत्र बिकनू से क्रय किया था जो पुस्तक संया 1 खण्ड - 5015 पेज - 249 से 268 क्रमांक - 1702 उप-निबन्धक नवाबगंज बाराबंकी दतर में निबन्धित है उक्त मूल विक्रय विलेख गुम हो गया है। अब उपरोक्त भूखण्ड को निर्माण हेतु वर्तमान स्वामी, पुष्पा देवी मिश्रा पत्नी शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, पीरामल कैपिटल एवं हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) से गृह ऋण ले रही है। यदि किसी व्यक्ति को कोई अपाी हो तो 07 दिन के अन्दर निन से सपर्क करें।

- मृगेंद्र बहादुर सिंह
अधिवक्ता पीरामल कैपिटल एवं
हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल)
मो0 -9415542801, 6394317537
आफिस/निवास- ईडलूएस-209 - 210 से टर-जी, जानकीपुरम, लखनऊ।

पहली जैसी नहीं भाजपा की लहर!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमित शाह की चालों का कांग्रेस के पास कोई जवाब नहीं है। देश के कई राज्यों से संकेत आ रहे हैं कि भाजपा की लहर पहले जैसी नहीं है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि 2024 में यूपी तय करेगा कि दिल्ली सिंहासन पर मोदी बैठेंगे या विपक्ष का नेता। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अनुपम मिश्रा, सैयद कासिम, श्रवण गर्ग, प्रो. लक्ष्मण यादव, एजुकेशनिस्ट शुभ लक्ष्मी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा पिछले दो लोक सभा के चुनाव में भाजपा ने यूपी में बहुत अच्छे नतीजे दिए। वर्तमान में जो समीकरण

दिख रहे हैं, उसमें भाजपा मजबूत स्थिति में है लेकिन बिहार में जो सत्ता परिवर्तन हुआ है उसका असर दिखेगा। अनुपम मिश्रा ने कहा नीतीश कुमार कुर्मी नेता हैं। पूर्वांचल में भी कुर्मी है लेकिन अभी तक उनका वैसा असर यहां नहीं दिखा। डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा बीजेपी का मनोवैज्ञानिक खेल है कि 24 में हमारे आगे कोई है ही नहीं। मगर ऐसा कतई नहीं है। शुभ लक्ष्मी ने कहा कि एक कहानी है जो बेची जा रही है कि अल्टरनेटिव नहीं है कोई मेरा। जनता को झांसा दिया जा रहा है। श्रवण गर्ग ने कहा कि बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ व पंजाब में विपक्ष की सरकारें हैं। 284 सीटों पर विपक्ष मजबूत है। मोदी सरकार को लेकर जबरदस्त नाराजगी है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

समस्याओं का निस्तारण न होने पर सीधे मुझे लिखें कार्यकर्ता : सीएम

» सहारनपुर पहुंचे योगी आदित्यनाथ
» जनप्रतिनिधियों से लिया फीडबैक
» अधिकारियों से मिलकर समस्याओं का कराएं निस्तारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहारनपुर पहुंच गए हैं। सबसे पहले यहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर फीड बैक लिया और लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सरसावा एयरपोर्ट पहुंचे वहां से हेलीकॉप्टर के माध्यम से पुलिस लाइन उतरे। यहां उनका भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने स्वागत किया।

पुलिस लाइन सभागार में बैठक करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में कहा कि कार्यकर्ताओं का पूरा मान सम्मान रखें और अधिकारियों से मिलकर उनकी समस्याओं का निस्तारण कराएं। यदि लखनऊ स्तर की समस्याएं हैं तो लखनऊ आकर उनका समाधान कराएं। यहां कोर कमेटी की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने भाजपाइयों से स्थानीय फीडबैक लिया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने विकास कार्यों की रफ्तार धीमी होने की बात कही। स्थानीय समस्याओं को उठाते हुए भाजपाइयों ने जनहित वाले मामलों में तेजी लाने और उन्हें समय पर पूरा कराने की बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी कार्यकर्ता अपने ये ना समझें कि उन्हें किसी सीढ़ी की आवश्यकता है। हेल्पलाइन नंबर पर कार्यकर्ता बात कर सकते हैं। मुख्यमंत्री पोर्टल पर लिख सकते हैं सभी समस्याओं का जल्द निस्तारण होगा। अगर तब भी निस्तारण ठीक से नहीं होता है तो सीधे उन्हें लिख सकते हैं। राजनीति के जानकारों का कहना है कि लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने संगठन की अंतिम सीढ़ी कार्यकर्ता को हिम्मत दी है। पुलिस लाइन से मीटिंग करने के बाद मुख्यमंत्री मां शाकंभरी देवी विश्वविद्यालय के निरीक्षण के लिए रवाना हो गए। सहारनपुर में दो स्थानों पर स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे, जिसमें मुजफ्फरनगर और शामली के अधिकारी वर्चुअल शामिल होंगे।

चार आईएएस और छह पीसीएस अफसरों के तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बुधवार को चार आईएएस और छह पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। अफसरों के कार्यभार में बदलाव किया गया है।

बुलंदशहर के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह अपने पद पर बने रहेंगे। इसके साथ ही उन्हें बुलंदशहर खुर्जा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। जबकि अभी तक खुर्जा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष रहीं आईएएस निशा को प्रतीक्षारत किया गया है। आईएएस डॉ सरोज कुमार को विशेष सचिव, सचिवालय प्रशासन के पद पर तैनाती दी गई है। अभी तक वह विशेष सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त पद पर कार्य कर रही थीं। विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग के पद पर रहे आईएएस ज्ञानेश्वर त्रिपाठी को विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर तैनाती दी गई है।

डॉ. सनोबर हैदर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान पर डाला प्रकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना में अमृत महोत्सव और एक भारत श्रेष्ठ भारत के संयुक्त तत्वावधान में आज मदन लाल धींगरा शहीदी दिवस के अवसर पर क्रांतिकारी आंदोलन के नायक के रूप में मदन लाल धींगरा विषय पर महाविद्यालय द्वारा एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो.(डॉ.) सुमन गुप्ता के निर्देशन में हुआ।

इस मौके पर वक्ता के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने स्वतंत्रता संग्राम में मदन लाल धींगरा के शौर्यपूर्ण प्रदर्शन और भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का अप्रतिम नायक सिद्ध किया। साथ ही उन्होंने अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के कार्यों का उल्लेख किया। प्राचार्य प्रो. सुमन गुप्ता ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. राघवेंद्र मिश्र एवं डॉ. उमा सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों की पर्याप्त संख्या में उपस्थिति रही।

करना था कोर्ट में सरेंडर, शपथ ले बन गए कानून मंत्री

बिहार के नए कानून मंत्री को लेकर मचा बवाल

अपहरण केस में फंसे एमएलसी कार्तिकेय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में महागठबंधन की नई सरकार बनने के बाद मंत्रालय का बंटवारा भी हो गया। मंत्रालय में सबसे अधिक मंत्री राजद के बनाए गए। लेकिन मंत्रालय के बंटते ही कानून मंत्री बनाए गए राजद नेता और एमएलसी कार्तिकेय सिंह को लेकर विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, कार्तिकेय सिंह के खिलाफ कोर्ट से अपहरण के मामले में वारंट जारी किया जा चुका है।

16 अगस्त को उन्हें सरेंडर करना था लेकिन वे कोर्ट में पेश नहीं हुए, जिसके चलते अब विपक्ष हमलावर हो गया है। वहीं जब इस मामले के बारे में कार्तिकेय सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सभी विधायकों और मंत्रियों ने हलफनामा पेश किया, इसमें ऐसा कुछ नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। दरअसल, साल 2014 में राजीव रंजन की 2014 में किडनैपिंग हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया था। राजीव रंजन की किडनैपिंग मामले में एक आरोपी बिहार के कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह भी हैं जिनके खिलाफ अदालत ने वारंट जारी किया है। उन्हें 16 अगस्त को पेश होना था लेकिन वे उस दौरान शपथ ले रहे थे। कार्तिकेय सिंह ने अभी तक ना तो कोर्ट के सामने सरेंडर किया है ना ही जमानत के लिए अर्जी दी है। इधर मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा ने कहा कि जंगलराज वापस लौट आया है। भाजपा ने कहा कि नीतीश सब जानते थे लेकिन फिर भी कार्तिकेय को कानून मंत्री बनाया। वहीं जब इस मामले में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस मामले में पत्रकारों ने सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है।

फोटो : 4पीएम

पेंटिंग लखनऊ। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत लोहिया पार्क के बाहर स्कूल के छात्र और छात्राओं द्वारा पेंटिंग बनाई जा रही है। इस दौरान एलडीए वीसी और कमिश्नर ने पेंटिंग का निरीक्षण किया।

मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पत्नी से बुरा बर्ताव करने वाले पति को घर से बाहर निकालना गैरकानूनी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। शादी के बाद जब पति-पत्नी एक छत के नीचे रहने लगते हैं तो एक पक्ष का दूसरे पक्ष से व्यवहार उसके परिवार के सम्मान, पहचान को बयां करती है। शादीशुदा जिंदगी में नोकझोंक व तकरार का होना लाजिमी है लेकिन इसकी भी एक सीमा होनी चाहिए। अगर घर में पति झगड़े का कारण है और परिवार के माहौल को बिगाड़ता है तो सुरक्षात्मक आदेश के तहत पति को घर से बाहर निकालने में बिल्कुल भी झिझकना नहीं चाहिए।

मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में अपनी एक सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया। न्यायमूर्ति आर एन मंजुला ने हाल ही में यह टिप्पणी करते हुए पेशे से इंडस्ट्रियलिस्ट पति को अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़कर कहीं और जाकर रहने का आदेश दिया है। पेशे से वकील पत्नी के मुताबिक, अपनी शादी को खत्म करने के लिए उसने फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान उसने एक और याचिका दायर की जिसमें तलाक के मामले में फैसला आने तक बच्चों और परिवार की भलाई के खातिर कोर्ट से पति को घर से बाहर निकल जाने की आदेश दिए जाने की मांग की गई थी। कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि जब तक मुख्य याचिका का निपटारा नहीं हो जाता तब तक पति घर में शांति कायम रखें और पत्नी व बच्चों को परेशान न करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।